रजिस्ट्रेशन संख्या :– R.N.I. 36355/79
डाक पंजीकरण संख्या :– के पी सिटी– 67/2018–20

अधिकार किसको जानने के लिए भारत सरकार की वेबसाइट www.dhr.gov.in लॉगिन कर क्लिक करें अल्टरनेटिव मेडिसिन तथा गज़ट पढ़ने हेतु log in करें www.behm.org.in

चिकित्सा–विज्ञान और प्रौद्योगिक जगत में सर्वाधिक प्रकाशित होने वाला निष्पक्ष समाचार पत्र

पाक्षिक

इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट

पत्र व्यवहार हेतु पता
सम्पादक
इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट
127/204 'एस' जूही,
कानपुर–208014

वर्ष –41 ● अंक –2 ● कानपुर 16 से 31 जनवरी 2019 ● प्रधान सम्पादक – डा0 एम0 एच0 इदरीसी ● वार्षिक मूल्य ₹100

इलेक्ट्रो होम्योपैथी के आविष्कारक काउण्ट मैटी का 210 वाँ जन्मोत्सव सम्पन्न

कश्मीर से कन्या कुमारी तक जन्मोत्सव की धूम

इलेक्ट्रो होम्योपैथी के आविष्कारक काउण्ट सीज़र मैटी का 210 वाँ जन्मोत्सव भव्यता पूर्वक बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के प्रशासनिक कार्यालय के सभागार में जो दुल्हन की तरह सजाया गया था बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, सर्व प्रथम महात्मा मैटी के चित्र पर बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के चेयरमैन डा0 एम0 एच0 इदरीसी द्वारा माल्यार्पण किया गया तत्पश्चात बोर्ड की ओ0 एस0 डी0 डा0 शाहीना इदरीसी, रजिस्ट्रार डा0 अतीक अहमद, इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया के संयुक्त सचिव डा0 मिथलेश कुमार मिश्रा, बोर्ड के पूर्व रजिस्ट्रार डा0 संजय द्विवेदी, कानपुर के प्रसिद्ध इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक डा0 वाई0 आई0 खान, कानपुर के ही बहुत पुराने इलेक्ट्रो होम्योपैथ व समय समय पर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक आन्दोलनों में बढ़ –चढ़ कर भाग लेने वाले डा0 जी0 डी0 वारसी, श्रीनगर से पधारे वरिष्ठ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक डा0 सत्य नारायण मूर्ति, पंजाब से सरदार अमरीक सिंह, श्री गितिन मिश्रा, श्रीमती सुलेखा, श्रीमती सुनीता मिश्रा ने अपने पुष्प महात्मा मैटी को अर्पित किये। चेयरमैन डा0 इदरीसी ने कहा कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी वह चिकित्सा पद्धति है जिससे पुरानी से पुरानी बीमारियों को समूल रुप से नष्ट कर नई ऊर्जा शरीर को प्रदान की जा सकती है बस आवश्यकता है सही औषधि का सही समय पर सही चयन करना, डा0 इदरीसी ने आगे कहा कि मैटी जयन्ती तो हम वर्षों से मनाते चले आ रहे हैं यह पहला अवसर है जब मैटी जयन्ती के अवसर पर महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें उ0प्र0 ने इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों से सम्बन्धित प्रकरण का पहला चरण सफलतापूर्वक पूरा किया है और इस बात की पूरी सम्भावना है कि आने वाले कुछ महीनों में इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों के पंजीयन का प्रकरण निस्तारित हो जायेगा।

डा0 इदरीसी ने कहा कि आज का दिन अपने आप में एक अलग उत्साह लेकर आया है क्योंकि वर्षों की प्रतीक्षा समाप्त हो रही है और हमारे चिकित्सकों को जो वांछित था वह प्राप्त होने में अब सन्देह नहीं है क्योंकि सरकार ने इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों के पंजीयन के अध्यक्षता में एक समिति का गठन भी हो चुका है जो इलेक्ट्रो होम्योपैथी विधा से प्रशिक्षित व्यक्तियों को इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा में चिकित्सा, शिक्षा,रजिस्ट्रेशन,अनुसंधान एवं विकास कार्य करने हेतु नियम/विनियम बनाये जाने हेतु शासन को सुसंगत प्रस्ताव/संस्तुति उपलब्ध करायेगी।

केन्द्र सरकार किसी भी क्षण आदेश कर सकती है
तुम मुझे इलेक्ट्रो होम्योपैथी से प्रैक्टिस का वचन दो
हम तुम्हें तुम्हारे अधिकार दिलायेंगे
पंजीयन का उपहार 2019 में ही
बीता समय जीवन में दोबारा नहीं आता

क्रियान्वयन के लिए शासनादेश जारी कर दिया है जिसके अनुसार महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें उ0प्र0 की बोर्ड के रजिस्ट्रार डा0 अतीक अहमद ने मैटी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि केन्द्र सरकार किसी भी क्षण इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता के लिये अधिशाषी आदेश जारी कर सकती है डा0 अहमद ने आगे चिकित्सकों का आवाहन किया कि तुम मुझे इलेक्ट्रो होम्योपैथी से प्रैक्टिस करने का वचन दो हम तुम्हें तुम्हारे अधिकार दिलायेंगे हम आप की उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए डा0 मिथलेश कुमार मिश्रा ने कहा कि प्रतीक्षा की घड़ियाँ समाप्त हो चुकी हैं सकारात्मक परिणाम आपके दरवाज़े पर दस्तक दे रहा है।

डा0 श्रीमती शाहीना इदरीसी ने कहा कि कोई भी चीज आसानी से प्राप्त नहीं होती है उसके लिए सतत प्रयास करने होते हैं और यही प्रयास रंग लाते हैं, इलेक्ट्रो होम्योपैथी दिन प्रतिदिन विकसित हो रही है परन्तु इसका वास्तविक विकास हम तभी मानेंगे जब इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए सामान्य जन से लेकर हर वर्ग का व्यक्ति इस चिकित्सा पद्धति को स्वीकारने लगे, संकेत अच्छे आ रहे हैं परिणाम भी अच्छे आयेंगे। कार्यक्रम में अपने विचार देते हुए बोर्ड के पूर्व रजिस्ट्रार डा0 संजय कुमार द्विवेदी ने इस अवसर पर डा0 प्रमोद शंकर बाजपई का स्मरण करते हुये कहा कि हमारे चिकित्सकों को पूरी तनमयता के साथ अपने कार्य में अब सीरियसली लग जाना चाहिये क्योंकि बीता समय जीवन में कभी दोबारा नहीं आता इसलिये हर स्थिति में समय का सदुपयोग करें उन्होंने आगे कहा कि आज समय और सरकार दोनों आपके साथ हैं कार्यक्रम को नई ऊर्जा देते हुये डा0 द्विवेदी ने कहा कि अभी भी इसके सार्थक प्रचार व प्रसार की आवश्यकता है यह जिम्मेदारी हम लोगों के साथ–साथ चिकित्सकों को भी निभानी होगी डा0 द्विवेदी ने सभी चिकित्सकों से अपील की कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी की प्रासंगिकता बनाये रखने के लिए आवश्यक है कि अधिक से अधिक संख्या में चिकित्सक इसी विधा से चिकित्सा व्यवसाय कर जनता को स्वास्थ्य लाभ दें और आज से ही निडर होकर प्रैक्टिस करें।

परम्परानुसार बर्थडे केक काटते हुए लोगों को आज के दिन की बधाई दी गयी जन्मदिन का केक श्रीमती शाहीना इदरीसी व डा0 इदरीसी ने उपस्थित जनसमूह के बीच काटा और प्रार्थना हुई। इस कार्यक्रम में डा0 राजेन्द्र प्रसाद, डा0 प्रमोद सिंह, डा0 अनिल शर्मा, डा0 मारिया इदरीसी, मो0 वसीम, मो0 नसीम इदरीसी, डा0 वाई0आई0 खान, डा0 बी0 डी0 दीक्षित आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे अन्त में सभी आगन्तुकों एवं सहभगियों का आभार व्यक्त करते हुये कार्यक्रम का समापन किया गया।

अधिकारिता दिवस सहर्षोल्लास सम्पन्न

इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सकों को प्रदेश में इलेक्ट्रो होम्योपैथी विधा से चिकित्सा व्यवसाय करने का पूर्ण अधिकार है यह अधिकार उत्तर प्रदेश शासन के चिकित्सा अनुभाग–6 द्वारा दिनांक 04 जनवरी, 2012 को बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के नाम शासनादेश जारी कर प्रदान किया गया था, इसी अवसर को मनाने के लिये प्रतिवर्ष इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों द्वारा यह दिन अधिकारिता दिवस के रूप में मनाये जाने की परम्परा आज भी है।

सरकार द्वारा इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए जारी आदेश का क्रियान्वयन व अनुपालन राज्य सरकारों द्वारा प्रभावी ढंग से किया जाये व अन्य मान्यता प्राप्त चिकित्सा पद्धतियों की भांति इस अधिकार प्राप्त चिकित्सा पद्धति को भी वह सारी सुविधायें उपलब्ध करायी जायें, जो अभी तक हमें प्राप्त नहीं हैं भारत सरकार ने भी इलेक्ट्रो होम्योपैथी से चिकित्सा,शिक्षा व अनुसंधान हेतु 21 जून, 2011 को आदेश जारी किया। कार्यक्रम का प्रारम्भ इलेक्ट्रो होम्योपैथी के आविष्कारक डा0 काउण्ट सीज़र मैटी का स्मरण कर किया गया तत्पश्चात बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन उ0प्र0 के चेयरमैन डा0 एम0 एच0 इदरीसी ने कहा कि आज का दिन हम सबके लिये गौरव का दिन है आज से 7 वर्ष पूर्व उत्तर प्रदेश शासन ने शासनादेश जारी कर इलेक्ट्रो होम्योपैथी के क्षेत्र में कार्य करने के लिये सारी बाधायें दूर करते हुये अधिकार प्रदान किया था अब आवश्यकता है कि हम अपने अधिकारों को समझें और पूर्ण रूपेण अधिकार के साथ कार्य करते हुये जनता की सेवा करें व जनस्वास्थ्य में अपनी भागीदारी भी सुनिश्चित करें डा0 इदरीसी ने चिकित्सकों का आवाहन किया कि ऐसे लोग जो अपनी पद्धति के अतिरिक्त अन्य कोई पद्धति अपनाते हैं तो उन्हें अपने व्यवहार में सुधार लाना चाहिये, जब आपके पास पूरे अधिकार हैं तो उनका पूर्ण उपभोग करें तथा कभी भी अपने आपको किसी से कमतर न समझें।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये बोर्ड के रजिस्ट्रार डा0 अतीक अहमद ने कहा कि अब समय आ गया है कि हम अपनी क्षमता का परिचय दें और विधि सम्मत ढंग से व्यवस्थित होकर अर्थात जो लोग अभी तक पंजीकृत नहीं हैं वे अविलम्ब पंजीकरण करा लें क्योंकि सरकार ने इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों के पंजीयन के क्रियान्वयन के लिए शासनादेश संख्या रिट–93/ पांच–6–2018–रिट–78/2017 दिनांक 24 सितम्बर, 2018 जारी किया है जिसके अनुसार महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें उ0प्र0 की अध्यक्षता में एक समिति गठित की गई है जो इलेक्ट्रो होम्योपैथी विधा से प्रशिक्षित व्यक्तियों को इलेक्ट्रो होम्योपैथी विधा में चिकित्सा, शिक्षा, रजिस्ट्रेशन, अनुसंधान एवं विकास कार्य करने हेतु नियम/विनियम बनाये जाने हेतु **शासन को सुसंगत प्रस्ताव/संस्तुति उपलब्ध करायेगी।**

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सर्वश्री डा0 वाइ0 आई0 खान, डा0 संजय कुमार द्विवेदी, डा0 शाहीना इदरीसी, मो0 वसीम इदरीसी, नसीम इदरीसी, मारिया इदरीसी, दरख्शा परवीन, डा0 शर्मा ,डा0 प्रमोद सिंह आदि उपस्थित थे।

अधिकारिता दिवस से सम्बन्धित अन्य समाचार पेज 2 , 3 एवं 4 पर

मान्यता और अवैध में अन्तर

25 नवम्बर, 2003 के अनुसार 1998 के पश्चात जारी **B.E.M.S.** डिग्री अवैध समाचार पढ़ते ही लोगों का संतुलन बिगड़ गया और उन्होंने सोशल मीडिया पर इलेक्ट्रो होम्योपैथी को ही अवैध कहना शुरू कर दिया, इलेक्ट्रो होम्योपैथी अगर अवैध होती तो 150 साल तक कैसे चलती ! सोशल मीडिया पर इस तरह की बौखालाहट निःसन्देह उन लोगों की ही हो सकती है जो **B.E.M.S.** के हितैषी या इसके प्रवर्तक हो सकते हैं, इलेक्ट्रो होम्योपैथी किसी भी तरह से अवैध नहीं कही जा सकती है चाहे इसको मान्यता मिले अथवा नहीं ! सरकार ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी के सम्बन्ध में निरन्तर स्पष्ट किया है कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी की प्रैक्टिस एवं शिक्षा पर कोई रोक नहीं है इस तरह का कथन केन्द्र सरकार द्वारा अनेकों बार सर्वोच्च न्यायालय में भी कहा गया है अर्थात इस आशय का शपथ पत्र भी सर्वोच्च न्यायालय में केन्द्र सरकार द्वारा प्रस्तुत किया गया है, सरकार द्वारा इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता के सम्बन्ध में गठित समितियों ने भी कभी इसका उल्लेख नहीं किया है, यहाँ तक की अन्तर विभागीय समिति ने भी दिनांक 9 जनवरी एवं 19 मार्च, 2018 में अपनी कार्यवाही में इस तरह का कोई उल्लेख नहीं किया है।

भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मन्त्रालय, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग ने भी निरन्तर यही कहा है कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा, शिक्षा एवं अनुसंधान तथा विकास पर कोई रोक नहीं है किन्तु इसे सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त नहीं है, सरकार द्वारा मान्यता का न होना किसी भी प्रकार से अवैध की श्रेणी में नहीं कहा जा सकता है, मान्यतायें भी दो प्रकार की होती हैं एक साधारण मान्यता और दूसरी विधिक मान्यता, साधारण मान्यता किसी सामान्य आदेश के तहत प्राप्त की जाती है जबकि विधिक मान्यता किसी विशेष विधि के अधीन प्राप्त होती है, वर्तमान में इलेक्ट्रो होम्योपैथी सामान्य प्राविधानों के अधीन अपनी गतिविधियां संचालित कर रही है इसमें माननीय उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय के आदेश/निर्देश भी सम्मिलित हैं जिनके अनुपालन के लिए सरकार द्वारा समय समय पर आदेश निर्गत किये गये हैं।

इलेक्ट्रो होम्योपैथी की विधिक मान्यता के लिए केन्द्र सरकार द्वारा अन्तर विभागीय समिति का गठन किया गया है जो इलेक्ट्रो होम्योपैथी के विभिन्न पहलुओं का निरीक्षण एवं परीक्षण कर रही है परीक्षणोंपरान्त जो भी निष्कर्ष निकलेगा उसके अनुरूप विधान निर्मित किया जायेगा, उक्त के अधीन प्राप्त मान्यता विधिक मान्यता कहलायेगी।

सोशल मीडिया पर बिना सोचे समझे अनर्गल प्रलाप करना ठीक नहीं है, ऐसे लोग जो इलेक्ट्रो होम्योपैथी को आज भी अवैध समझते हैं उन्हें अपने आप को अविलम्ब प्रथक कर लेना चाहिये क्योंकि समाज में अवैध का कोई स्थान नहीं है सिर्फ और सिर्फ इस लिए प्रतिक्रिया की जाये कि लोग जाने कि वे भी कुछ जानकार हैं ऐसे लोग यह जान लें कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी सिर्फ वैध और वैध है ! इसमें रंच मात्र का कोई सन्देह नहीं है।

यह सुनिश्चित कर लें कि जिसके लिए सरकार या कानून द्वारा आदेश या निर्देश दिये गये हैं उस आदेश या निर्देश के विरूद्ध जो भी कार्य किया जाता है वह अवैध की श्रेणी में आता है, ऐसा ही **B.E.M.S.** डिग्री के बारे में माननीय उच्च न्यायालय एवं भारत सरकार द्वारा कहा गया है इस पर किसी प्रकार की टिप्पणी करना माननीय उच्च न्यायालय के आदेश की अवमानना व सरकार के आदेश का स्पष्ट उल्लंघन है।

सोशल मीडिया पर जिस प्रकार चर्चा की जा रही है वह निश्चित तौर पर ठीक नहीं है उन्हें कुछ भी टिप्पणी करने से पूर्व सन्दर्भ को भी समझना चाहिये और उसके दुष्परिणाम के बारे मे भी सोचना चाहिये। मनमाने तरीके से अपनी बात को रखना/करना बिल्कुल ठीक नहीं है ऐसे माहोल में जब सरकार आपके पक्ष में है तथा न्यायालय भी आपकी बात मान रहा है तो उसके विरूद्ध जाने का क्या औचित्य है ! सरकार द्वारा निरन्तर आपको विधिक स्वरूप देने का प्रयास किया जा रहा है प्रथम दृष्टि में ही आप अवैध में लिप्त होंगे तो आप कैसे विधिक स्वरूप प्राप्त करेंगे ? अस्तु कुछ कहने या लिखने से पहले कई बार उस बारे में सोच समझकर ही अपनी टिप्पणी दें।

टिप्पणी स्वस्थ होगी तो निःसन्देह लोग उसे स्वीकार करेंगे।

जौनपुर में इलेक्ट्रो होम्योपैथी वट वृक्ष की तरह फल फूल रही है

भगवान महावीर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक इन्सटीटयूट जौनपुर में अधिकारिता दिवस समारोह के अवसर पर 6 दिवसीय निःशुल्क चिकित्सा शिविर का उद्घाटन करते हुए आई0ई0एच0आई0 के डायरेक्टर डा0 कैसर अहमद शेख ने कहा कि जौनपुर में डा0पी0के0 मौर्या के नेतृत्व में इलेक्ट्रो होम्योपैथी वटवृक्ष की तरह फल फूल रही है उन्होंने डा0 पी0के0 मौर्या के पिता श्री राम इकबाल मौर्या को याद करते हुए कहा कि आज जौनपुर में जो इलेक्ट्रो होम्योपैथी की प्रगति है उसमें उनका बहुत योगदान है हालाकि आज वह हमारे बीच नहीं हैं परन्तु उनका योगदान सैदव उनकी याद कराता रहेगा, डा0 कैसर अहमद ने बताया कि भारत में सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त चिकित्सा पद्धतियां क्रमशः एलोपैथी,होम्योपैथी,आयुर्वेदिक,यूनानी, योगा,सिद्धा,नेचरोपैथी एवं सोवा रिग्पा प्रचलित हैं इसी कड़ी में इलेक्ट्रो होम्योपैथी अपना स्थान बनाने में बहुत ही तेजी से अग्रसर है ऐसी स्थिति बन रही है कि कभी भी या किसी भी समय सरकार द्वारा इलेक्ट्रो होम्योपैथी को मान्यता दी जा सकती है

अधिकारिता दिवस के अवसर पर एक 6 दिवसीय निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 310 रोगियों का उपचार किया गया इस अवसर पर भगवान महावीर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक इन्सटीटयूट जौनपुर के प्राचार्य डा0 पी0के0 मौर्या ने बताया कि भारत वर्ष में जो चिकित्सा पद्धतियाँ प्रचलित हैं उनमें इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति सबसे सस्ती और अच्छी है, इससे लाभ उठाने की जरूरत है।

संस्था की प्रबन्धक डा0 सुशीला मौर्या ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों को प्रदेश में इलेक्ट्रो होम्योपैथी विधा से ही चिकित्सा व्यवसाय करने का पूर्ण अधिकार है यह अधिकार उत्तर प्रदेश शासन के चिकित्सा अनुभाग–6 द्वारा दिनांक 04 जनवरी, 2012 को बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के नाम शासनादेश जारी कर प्रदान किया गया था।

इसी अवसर को मनाने के लिये प्रतिवर्ष इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों द्वारा यह दिन अधिकारिता दिवस के रुप में मनाया जाता है।

जौनपुर स्थित भगवान महावीर इ0 हो0 इन्सटीटयूट में चिकित्सा शिविर का उदघाटन करते डा0 कैसर अहमद शेख साथ में डायरेकटर डा0 पी0के0 मौर्या –छाया गजट

शाहजहाँपुर – इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीटयूट में अधिकारिता दिवस कार्यक्रम के आयोजन की शुरूआत करते हुए डा0 अम्मार बिन साबिर ने कहा कि जो हम आज अधिकारिता दिवस मना रहे हैं इसका अर्थ ही है कि अधिकार के साथ मनाने वाला दिवस, यह दिवस हमारे लिए इस लिए महत्वपूर्ण है कि आज के दिन ही हमको उत्तर प्रदेश सरकार ने बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के पक्ष में एक शासनादेश जारी कर इलेक्ट्रो होम्योपैथी की चिकित्सा, शिक्षा एवं प्रैक्टिस के लिए अधिकार दिये थे, आज का दिन हमारे लिए बड़े ही गौरव का दिन है, इस अवसर पर डा0 कविता रस्तोगी, डा0 बिपिन, डा0 राजकुमार सिंह, डा0 राजकुमार वर्मा, डा0 दर्शना गुप्ता, डा0 वैशाली रस्तोगी, डा0 रामेश्वर दयाल, डा0 सर्वेश कुमार, व डा0 अजय सक्सेना आदि ने भी अपने विचार दिये।

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीटयूट शाहजहाँपुर में अधिकारिता दिवस पर गोष्ठी में भाग लेते हुये चिकित्सकगण, सबसे बाये डा0 अम्मार बिन साबिर – छाया गजट

बी0ई0एच0एम0 यू0पी0 के ऑडिटोरियम में काउण्ट मैटी के 210 वें जन्मोत्सव पर उपस्थित चिकित्सकगण– छाया गजट

बोर्ड के प्रवक्ता को किया गया सम्मानित

महासजगंज– उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित चिकित्सकीय कार्यकमों में बढ़चढ़ कर अपना योगदान देने वाले बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन,उ0प्र0 के प्रवक्ता डा0 प्रिन्स कुमार श्रीवास्तव को माननीय अमनमणि त्रिपाठी विधायक एवं चेयरमैन श्री गुड्डू खान द्वारा सम्मानित किया गया।

इ0एच0 डा0 प्रिंस श्रीवास्तव सम्मान प्राप्त करते हुये — छाया गज़ट

लखनऊ — अवध इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीटयूट इन्द्रपुरी कालोनी, सांई धाम में अधिकारिता दिवस कार्यक्रम मनाया गया, इस अवसर पर एक नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन भी किया गया जिसमें सैकड़ों लोगों ने अपनी जाँचें करायी, शिविर का शुभारम्भ करते हुए डा0 आर0 के0 कपूर ने कहा कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी हानि रहित एवं सस्ती चिकित्सा पद्धति है जो बड़ी तीव्रता से रोगों को ठीक करती है, इस शिविर में डा0 आशुतोष कपूर ने अपना विशिष्ट योगदान दिया।

अधिकारिता दिवस पर शिविर में Dr. R.K. Kapoor परीक्षण करते हुये

अधिकारिता दिवस पर अपने विचार देते हुये बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 की ओ0 एस0 डी0 डा0 श्रीमती शाहीना इदरीसी — छाया गज़ट

अवध इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीटयूट इन्द्रपुरी कालोनी, सांई धाम में रोगियों की केस हिस्ट्री लेते हुये डा0 आसुतोष कपूर — छाया गज़ट

इलेक्ट्रो होम्योपैथ प्रैक्टिस करने के पूर्ण अधिकारी

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया बुन्देलखण्ड के प्रभारी डा0 नरेन्द्र भूषण निगम ने अधिकारिता दिवस के अवसर पर कहा कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी के चिकित्सक इलेक्ट्रो होम्योपैथिक पद्धति से प्रैक्टिस करने के लिए पूर्ण अधिकारी हैं 4 जनवरी 2012 को प्रदेश सरकार द्वारा जारी शासनादेश में कहा गया है कि इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों को चिकित्सा व्यवसाय करने से वंचित नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सभी इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों को चाहिये कि वह अपने चिकित्सा केन्द्रों में बोर्ड अवश्य लगायें उसमें नाम के आगे इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक अवश्य अंकित होना चाहिये तथा बोर्ड द्वारा जारी रजिस्ट्रेशन संख्या स्पष्ट रूप से उल्लेख होना चाहिये एवं औषधियां इलेक्ट्रो होम्योपैथी की ही प्रयोग में लायें।

डा0 निगम ने बताया कि जनपद हमीरपुर में बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 से शिक्षित व पंजीकृत अनेकों चिकित्सक प्रैक्टिस कर जरूरतमन्दों एवं गरीबों की सेवा कर रहे हैं।

अधिकारिता दिवस के अवसर पर कुशीनगर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर, पडरौना में सम्पन्न चिकित्सा शिविर –छाया गजट

मऊ– बलीदपुर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर, बलीदपुर,मऊ में अधिकारित दिवस समारोह सम्पन्न हुआ, कार्यक्रम का प्रारम्भ करते हुए सेन्टर के संचालक डा0 आयाज़ अहमद ने बताया कि इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों एवं चिकित्सालयों के रजिस्ट्रेशन के लिए प्रदेश की योगी सरकार गम्भीर है, उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें उ0प्र0 की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया है जो शीघ्र ही अपनी संस्तुतियां राज्य सरकार को प्रेषित कर सकती है। कार्यक्रम में डा0 दिनेश, डा0 नसीम, डा0 नन्दलाल, डा0मुहम्मद सलमानी, अबुल कैश, सलमा अन्सारी,राहुल कुमार, मुहम्मद जीशान आदि उपस्थित थे।

देवरिया– 4 जनवरी 2019 को खरजरवा रोड ट्यूबवेल कालोनी में अधिकारिता दिवस के अवसर पर देवरिया इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर में डा0 पी0 के0 श्रीवास्तव द्वारा आयोजित गोष्ठी – छाया गज़ट

इलेक्ट्रो होम्योपैथी के आविष्कारक काउण्ट सीज़र मैटी के 210 वें जन्मोत्सव पर बोर्ड के प्रशासनिक कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम कैमरे की दृष्टि में।

बोर्ड के ऑडिटोरियम में सजा हुआ मंच, इस प्रतीक्षा में कि कौन इसकी शोभा बढ़ायेगा

मंच पर बायें से दायें Dr. Shaheena Idrisi-O.S.D. एवं Dr. M.H. Idrisi-Chairman

Dr. M.H. Idrisi-Chairman Board of Electro Hoimoeopathic Medicine,U.P.
महात्मा मैटी के चित्र पर माल्यापर्ण करते हुये

Dr. Shaheena Idrisi-O.S.D. माल्यार्पण करते

माल्यार्पण करते हुये डा0 राम अवतार कुशवाहा

माल्यार्पण करते हुये डा0 एम0 के0 मिश्रा

माल्यार्पण करते हुये डा0 वाई0 इाई0 खान

माल्यार्पण करते हुये के0 पी0 गुप्ता

माल्यार्पण करते हुये डा0 बी0 डी0 दीक्षित

माल्यार्पण करते डा0 बी0के0 गुप्ता – बर्रा, कानपुर

माल्यार्पण करते डा0 अरुण कुमार, कानपुर

माल्यार्पण करते डा0 अतीक अहमद (रजिस्ट्रार बी0ई0एच0एम0)

श्रद्धा पुष्प अर्पित करते श्री सोहन मिश्रा

डा0 राम अवतार कुशवाहा अपने संस्मरण सुनाते हुये

श्रद्धा पुष्प अर्पित करते श्री कैलाश चन्द्र गुप्ता विनोबा नगर, जूही

डा0 वाई आई0 खान महात्मा मैटी का परिचय देते

माल्यार्पण कर आते हुये डा0 संजय द्विवेदी

डा0 अनिल कुमार शर्मा ने निःशुल्क डिस्पेंसरी की मांग की

डा0 टी0 पी0 गुप्ता एक रोगी का विवरण देते हुये

डा0 संजय द्विवेदी पूर्व रजिस्ट्रार बी0ई0एच0एम0यू0पी0 ने अपने बहुमूल्य विचार दिये

डा0 बी0डी0 दीक्षित अपनी स्टूडेन्ट लाईफ बताते हुये

बोर्ड के चेयरमैन डा0 एम0एच0 इदरीसी " वह दिन दूर नहीं जब इलेक्ट्रो होम्योपैथी का सरकारी करण होगा "

डा0 वी0 के0 गुप्ता अपनी इलेक्ट्रो होम्यो–पैथी के आविष्कारक का परिचय बताते हुये

दिनांक - 11 जनवरी 2019

इलेक्ट्रो होम्योपैथी के आविष्कारक महात्मा मैटी के जन्म दिन पर केक का दृष्य

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ.प्र.

द्वारा आयोजित

210 वाँ

मैटी जन्मोत्सव

दिनांक - 11 जनवरी 2019

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ.प्र.
द्वारा आयोजित

द्वारा आयोजित

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ.प्र.
द्वारा आयोजित

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ.प्र.
द्वारा आयोजित

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ.प्र.
द्वारा आयोजित

द्वारा आयोजित

द्वारा आयोजित
210

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ.प्र.
द्वारा आयोजित
210

अन्य जनपदों से प्राप्त समाचारों का संक्षिप्त विवरण

फिरोज़बाद – सिरसागंज इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर, फिरोज़ाबाद में अधिकारिता दिवस बड़े धूमधाम से मनाया गया, कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए डा0 इसरार खान ने बताया आप लोग निडर होकर अधिकार के साथ प्रैक्टिस करें, कहीं कोई समस्या नहीं है, कार्यक्रम में सर्वश्री डा0 फतेह सिंह, डा0अनुज कुमार, डा0 कौसर बेगम, डा0 पुष्पेन्द्र प्रताप सिंह, डा0 रघुवीर सिंह, डा0 ब्रजेश कुमार, डा0 जितेन्द्र कुमार, डा0 राहुल, डा0 प्रमोद कुमार एवं आसिफ खान आदि उपस्थित थे।

आज़मगढ़– अधिकारिता दिवस कार्यक्रम में मुख्य रुप से उपस्थित बायें से दायें डा0 मुशताक अहमद, डा0 मो0 आमिर व डा0 रियाज़ अहमद – छाया गजट